

INDO-PAK. DEMARCATION OF DUMABARI  
AREA

\*428. SHRIMATI JYOTSNA CHAN-  
DA : Will the Minister of EXTERNAL  
AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government propose to have joint Indo-Pak demarcation of Lathi-tilla-Dumabari area on Karimganj border during this winter; and

(b) if so, how long it will take to complete the demarcation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE  
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS  
(SHRI B. R. BHAGAT) : (a) and (b).  
No, Sir. The demarcation in this area is held up because of a basic disagreement between India and Pakistan over the interpretation of the Radcliffe Award. The Government of India have again proposed to the Government of Pakistan to hold a meeting to discuss this matter at any level acceptable to them. The Pakistan Government's reply is awaited.

PRESENCE OF CHINESE IN NAGALAND  
BORDER

\*429. SHRI MAYAVAN : Will the  
Minister of EXTERNAL AFFAIRS be  
pleased to state :

(a) whether the attention of Government has been drawn to the press reports that Chinese presence has been reported in the vicinity of the mountainous international boundary between Burma and Nagaland;

(b) if so, how far this statement is correct;

(c) whether it is also a fact that Chinese are infiltrating into Nagaland as the international boundary is not well protected; and

(d) if so, the steps Government are taking to check such infiltration of Chinese into Nagaland ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE  
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS  
(SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a)  
and (b). Government of India do not wish to discuss matters which are essentially within the domestic jurisdictions of a friendly neighbouring State.

(c) and (d). The Government of India have taken all possible security measures to prevent illegal entry of any person into India. Enquiries made by the Government

indicate that there has been no infiltration of Chinese into Nagaland State.

नागाओं के बारे में पाकिस्तानी तथा  
चीनी प्रचार

\*430. श्री शशि भूषण बाजपेयी :  
क्या बहिर्देशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा  
करेंगे कि :

(क) नागालैंड को चीन से किस प्रकार से वित्तीय सहायता मिल रही है और नागाओं द्वारा पाकिस्तान से प्राप्त किये गये शस्त्रास्त्रों का ब्योरा क्या है;

(ख) क्या पाकिस्तान और चीन नागालैंड को स्वतंत्र कराने के लिये विदेशों में प्रचार कर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

बहिर्देशिक कार्य-मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) नागालैंड राज्य भारत सरकार से ही वित्तीय तथा अन्य सहायता प्राप्त करता है। छिपे नागाओं में से कुछ पथभ्रष्ट और उग्रवादी चीन जाकर वापस आ गए हैं। उनका स्पष्ट उद्देश्य यह रहा होगा कि चीनियों से जो सहायता मिल सके, उसे ले लिया जाए। हमारे पास यह सिद्ध करने के लिये कोई साक्ष्य नहीं है कि उन्हें चीन से अब तक इस तरह की कोई सहायता मिली है। पता चला है कि पाकिस्तान ने उन्हें कुछ हथियार और उपकरण दिए हैं। सदन इस बात की सराहना करेगा कि इस विषय पर हमारे पास जो सूचना सुलभ है, उसे बताना सार्वजनिक हित में न होगा।

(ख) उनके अपने प्रचार साधनों में (रेडियो और प्रेस) नागालैंड के विपरीत जो प्रसंग होते हैं, उन्हें छोड़ कर पाकिस्तान और/अथवा चीन द्वारा दूसरे देशों में प्रचार करने का अन्य साक्ष्य हमारी नजर में नहीं आया है।

(ग) भारत सरकार का दृढ़ निश्चय है कि वह नागालैंड में किसी विदेशी हस्तक्षेप को अनुमति नहीं देगी क्योंकि वह भारत संघ का अभिन्न अंग है।